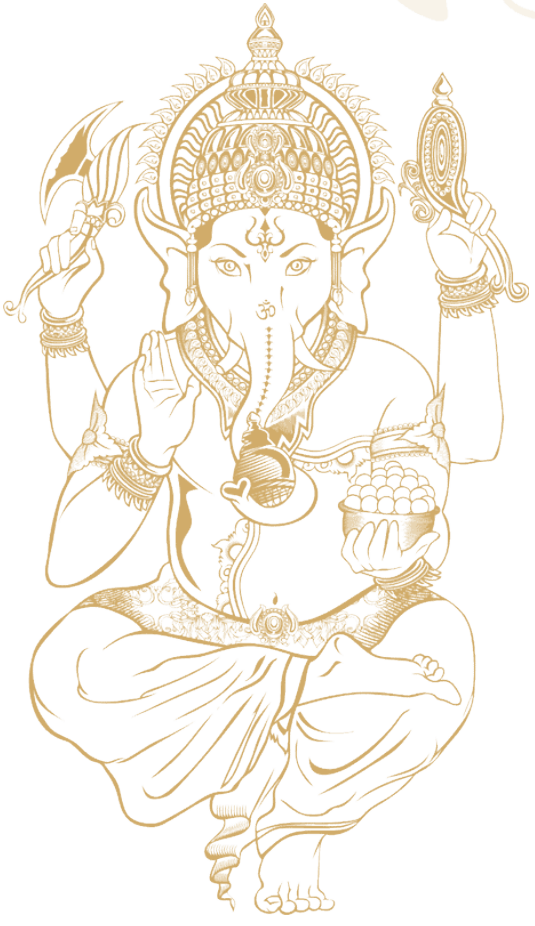

Mamta

04 Sep 1998

11:45 AM

Delhi

Model: Web-FreeKundliWeb

Order No: 121557402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**04/09/1998**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**11:45:00 घंटे**
इष्ट	14:21:17 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:00:51 घंटे
साम्पातिक काल	10:16:33 घंटे
सूर्योदय	06:00:29 घंटे
सूर्यास्त	18:39:30 घंटे
दिनमान	12:39:02 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	17:41:22 सिंह
लग्न के अंश	01:42:06 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	शोभन
करण	तैतिल
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	01:42:06	306:48:24	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
सूर्य			सिंह	17:41:22	00:58:07	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	मंगल	मूलत्रिकोण
चंद्र			मक	18:07:58	13:55:18	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			कर्क	15:24:55	00:38:06	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	नीच राशि
बुध			सिंह	00:19:43	01:22:26	मघा	1	10	सूर्य	केतु	केतु	मित्र राशि
गुरु	व		मीन	00:46:18	00:07:34	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	स्वराशि
शुक्र			सिंह	03:01:01	01:14:03	मघा	1	10	सूर्य	केतु	सूर्य	शत्रु राशि
शनि	व		मेष	09:27:48	00:02:00	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	नीच राशि
राहु			सिंह	07:39:08	00:00:37	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	शत्रु राशि
केतु			कुंभ	07:39:08	00:00:37	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		मक	15:44:29	00:01:54	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	शनि	---
नेप	व		मक	05:54:40	00:01:06	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	11:33:37	00:00:38	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	08:18:45	--	मघा	--	10	सूर्य	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:11

लग्न-चलित

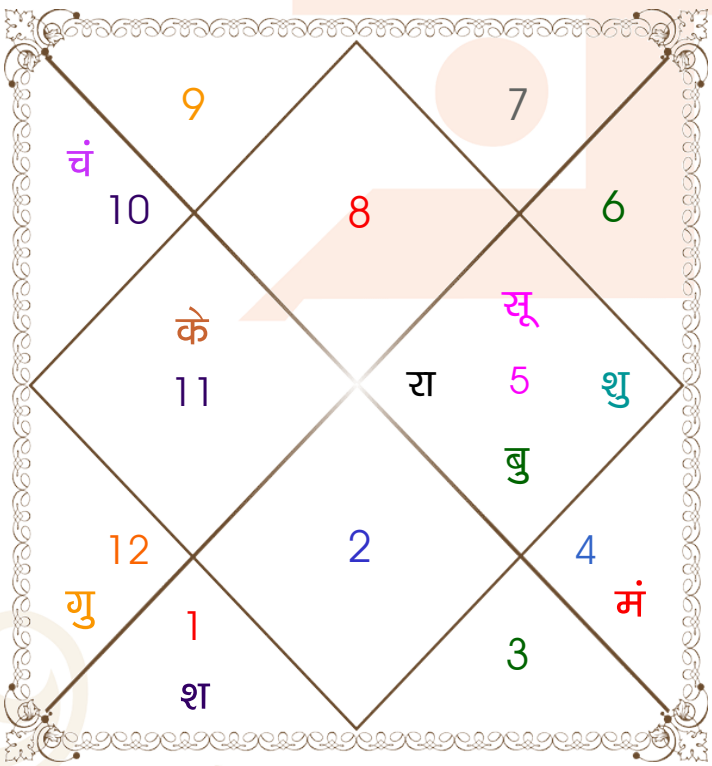

चन्द्र कुंडली

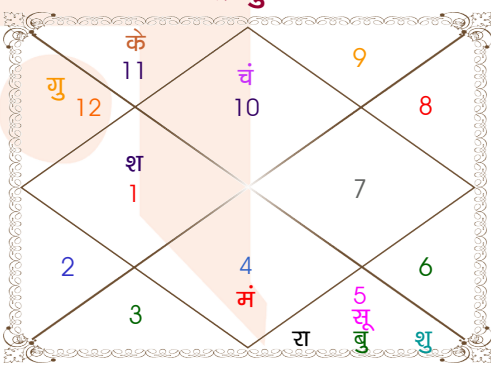

नवमांश कुंडली

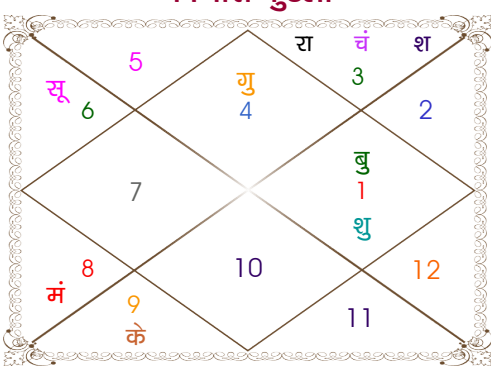

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 10 मास 24 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
04/09/1998		30/07/2002		29/07/2009		30/07/2027		30/07/2043	
30/07/2002		29/07/2009		30/07/2027		30/07/2043		30/07/2062	
	00/00/0000	मंगल	26/12/2002	राहु	11/04/2012	गुरु	16/09/2029	शनि	02/08/2046
	00/00/0000	राहु	13/01/2004	गुरु	04/09/2014	शनि	29/03/2032	बुध	11/04/2049
	00/00/0000	गुरु	19/12/2004	शनि	11/07/2017	बुध	05/07/2034	केतु	21/05/2050
	00/00/0000	शनि	28/01/2006	बुध	29/01/2020	केतु	11/06/2035	शुक्र	20/07/2053
	04/09/1998	बुध	25/01/2007	केतु	15/02/2021	शुक्र	09/02/2038	सूर्य	02/07/2054
बुध	29/10/1999	केतु	23/06/2007	शुक्र	16/02/2024	सूर्य	28/11/2038	चंद्र	01/02/2056
केतु	29/05/2000	शुक्र	22/08/2008	सूर्य	09/01/2025	चंद्र	29/03/2040	मंगल	11/03/2057
शुक्र	28/01/2002	सूर्य	28/12/2008	चंद्र	11/07/2026	मंगल	05/03/2041	राहु	16/01/2060
सूर्य	30/07/2002	चंद्र	29/07/2009	मंगल	30/07/2027	राहु	30/07/2043	गुरु	30/07/2062

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
30/07/2062		30/07/2079		30/07/2086		31/07/2106		30/07/2112	
30/07/2079		30/07/2086		31/07/2106		30/07/2112		00/00/0000	
बुध	25/12/2064	केतु	26/12/2079	शुक्र	28/11/2089	सूर्य	17/11/2106	चंद्र	31/05/2113
केतु	22/12/2065	शुक्र	24/02/2081	सूर्य	28/11/2090	चंद्र	19/05/2107	मंगल	30/12/2113
शुक्र	22/10/2068	सूर्य	02/07/2081	चंद्र	29/07/2092	मंगल	24/09/2107	राहु	30/06/2115
सूर्य	29/08/2069	चंद्र	31/01/2082	मंगल	28/09/2093	राहु	17/08/2108	गुरु	29/10/2116
चंद्र	28/01/2071	मंगल	29/06/2082	राहु	28/09/2096	गुरु	06/06/2109	शनि	31/05/2118
मंगल	25/01/2072	राहु	18/07/2083	गुरु	30/05/2099	शनि	19/05/2110	बुध	05/09/2118
राहु	14/08/2074	गुरु	23/06/2084	शनि	31/07/2102	बुध	25/03/2111		00/00/0000
गुरु	19/11/2076	शनि	01/08/2085	बुध	31/05/2105	केतु	31/07/2111		00/00/0000
शनि	30/07/2079	बुध	30/07/2086	केतु	31/07/2106	शुक्र	30/07/2112		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 10 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक लग्नोदय काल में हुआ था। साथ-साथ वृश्चिक लग्न के उदित काल कर्क नवमांश एवं वृश्चिक द्रेष्काण भी उदित हुआ था। फलस्वरूप आपके जन्म आकृति से यह सूचित हो रहा है कि आपको समृद्धि एवं सफलता हेतु तीनों ओर से वाधित पथ में से कोई एक पथ का चयन करना होगा। आप अपने प्रतिपक्षी को बिना किसी भी प्रकार की अगुआई के आक्रमण कर उसे पराजित कर सकते हैं।

आप अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित प्राणी हैं। अच्छा समय आने पर आप धन संचय करने की महत्वकांक्षा की पूर्ति करने में सफल हो सकते हैं तथा आपकी वासनात्मक आकांक्षा की भी पूर्ति हो सकती है। यदि आपके साथ कोई डींग मारकर भ्रमित करता है तो आप अपने मस्तिष्क को झाड़पोछ कर एक ओर कर के उसके माप दण्ड को स्वीकार कर अपनी उन्नति के लिए द्विपक्ष में से उस पक्ष को अपने सहयोगी बना लेंगे जो आपके लिए उपयुक्त होगा। आप सदैव धनी अर्थात् समृद्धशाली व्यक्ति से इर्ष्या रखते हैं तथा आप चरम सीमा तक उसके साथ चलना ठीक समझते हैं। आपका सौभाग्य साथ दिया तो आप भविष्य में सफलता प्राप्त करने में अग्रसर होंगे। परंतु आप अधिकतर अहंकारिक भावना से अति असत्यता हेतु कठिन साध्य से ऊपर उठकर युद्धकारी प्रवृति कर लेंगे। परंतु आपको सर्वथा संयमित होना चाहिए। परिणामस्वरूप आप अपने शत्रु समुदाय की वृद्धि कर लेंगे। लेकिन आगे आप विषाक्त जलन उत्पन्न करते रहे तो आपकी पूंछ को कतर देंगे अर्थात् आपको वे शत्रु पराजित कर देंगे।

आप अपने घरेलू जीवन में जो शासनपूर्ण व्यवहार करते हैं उस प्रवृति के प्रति झुकाव लाना होगा। इसके स्थान पर आपको सामंजस्यता की प्रवृति को स्वीकार करना उत्तम होगा। आप घर में तानाशाही प्रवृति जैसा व्यवहार करना चाहते है। आपकी इस प्रकार की प्रवृति रही अर्थात् इस प्रवृति का त्याग नहीं किया गया तो इस कारण वश अतिरिक्त लाभ करना एक जालसाजी सिद्ध होगा। जो अपनी पत्नी के साथ अच्छा संबंध नहीं रह सकेगा और दूसरा अन्य कारण आपकी वासनात्मक प्रवृति से स्वार्थ साधना प्रमाणित होगा। यद्यपि आप अपनी पत्नी के साथ स्नेहयुक्त संबंध रखेंगे। परंतु आप सदैव ज्वार भाटा के समान दूसरों के साथ वासनात्मक संबंध रखेंगे। यदि आप इन दो प्रमुख विशेषताओं का सुधार नहीं करते हैं तो आपका परिवारिक जीवन सुखी नहीं रहेगा। अतः आप अपनी आगामी कार्य योजना में वैवाहिक जीवन के समक्ष सार्थकता नहीं रह जाएगी। आप अपने विवाह हेतु अर्थात् जीवन संगिनी हेतु उस साथी का चयन करें जिसका जन्म कर्क, मीन, वृश्चिक, वृष, कन्या एवं मकर राशि में हुआ हो अर्थात् उपरोक्त राशियों की लड़की आपके वैवाहिक आनन्द हेतु उपयुक्त होगी।

यद्यपि आप बहुत अधिक धन का उपार्जन करेंगे। आप अपने बैंक के कोष की सुदृढ़ता चाहते हैं जबकि आप धन का अपव्यय भी किया करते हैं। आप बिना जरूरत धन का व्यय करने पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक राशि के प्राणी वृश्चिक स्वाभावात्मक प्राणी को पसंद नहीं करते। ये सामान्यतः समानुपातिक शारीरिक ढ़ाँचे के होते है। इनका व्यक्तित्व सुंदर लगता है। यद्यपि

इनकी आकृति औसतन उपयुक्त होती है। ये अपनी योजना को अधिकारपूर्ण ढंग से सम्मिलित करते हैं क्योंकि इनकी विस्तृत मुखाकृति स्थिर एवं घुंघराले बालों से युक्त होते हैं। ये अपनी मनोवृति के प्रति सतर्क रहते हैं। आप मध्यम अवस्था में मोटे हो जाएंगे। जिसकी वजह से इनकी आकृति बिगड़ सकती है, अन्यथा ये प्रतिभा संपन्न आकृति के होंगे।

आप शारीरिक दृष्टिकोण से पूर्णतः बलिष्ठ होंगे। परंतु आपको कतिपय रोगों के प्रति सतर्क रहना आवश्यक है, अन्यथा वृद्धावस्था में कुछ गलत प्रभाव से अति निर्बलता, ग्रन्थि रोग, एवं मस्तिष्क रोग से संबंधित मस्तिष्क ज्वर से आक्रांत हो सकते हैं।

आपको अपनी प्रगति हेतु निम्नांकित व्यवसायों में से उत्तम व्यवसाय का चयन करना चाहिए। यथा-केमेस्ट्री, अनुसंधान कार्य, मेडिकल एवं मातृत्व चिकित्सा इन्सयोरेंस, आपराधिक छानबीन, लौह एवं स्टील के कार्य अथवा प्रतिरक्षा सेवा अथवा कलाकारिता आदि। आप संगीत कला का भी कुछ समय अभ्यास कर सकते हैं।

साप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक है। इसे अतिरिक्त 5, 6 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए रंग पीला, लाल, नारंगी एवं क्रीम रंग अनुकूल है। इसके अतिरिक्त रंग सफेद, ब्लू एवं हरा रंग सर्वथा त्याज्यनीय है।